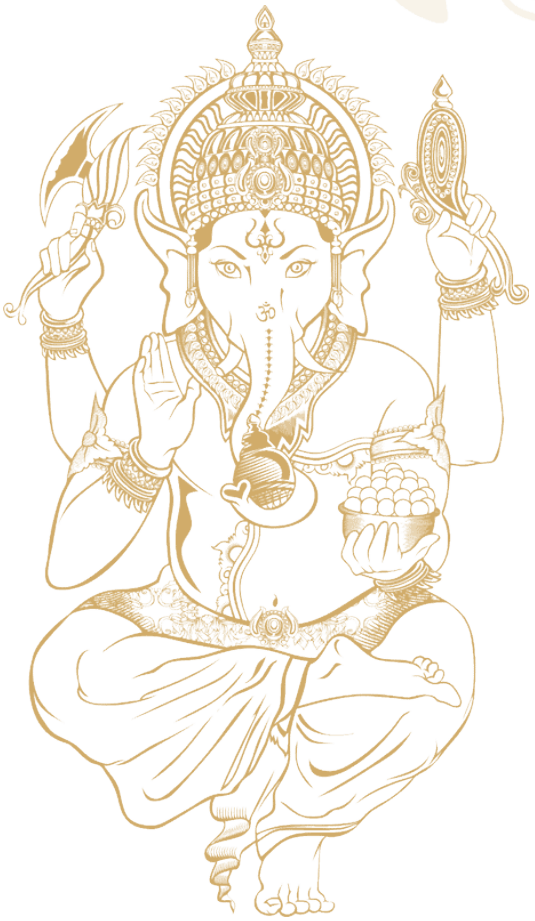

Mr.

24 Sep 2011

11:35 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119530903

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
24/09/2011	जन्म तिथि	**23-24/09/2025**
शनिवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 11:35:00	जन्म समय	01:31:28 घंटे
घटी 13:31:43	जन्म समय(घटी)	48:23:23 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:18	सूर्योदय	06:10:06
18:17:05	सूर्यास्त	18:16:21
24:01:32	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:03
वृश्चिक	लग्न	कर्क
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कर्क	राशि	कन्या
चन्द्र	राशि-स्वामी	बुध
आश्लेषा	नक्षत्र	चित्रा
बुध	नक्षत्र स्वामी	मंगल
2	चरण	2
सिद्ध	योग	ऐन्द्र
कौलव	करण	कौलव
डू-डूंगरमल	जन्म नामाक्षर	पो-पोशाली
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मूषक
14	गत/तत्कालिक वर्ष	15

जन्म - विवरण / वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अनुराधा	4	16:04:45	वृश्चिक			लग्न			कर्क	05:41:09	1	पुष्य
उ०फाल्गुनी	4	06:49:53	कन्या			सूर्य			कन्या	06:49:53	4	उ०फाल्गुनी
आश्लेषा	2	22:18:01	कर्क			चंद्र			कन्या	29:17:41	2	चित्रा
पुष्य	2	09:07:35	कर्क			मंगल			तुला	06:47:42	1	स्वाति
उ०फाल्गुनी	2	02:59:06	कन्या		अ	बुध		अ	कन्या	15:12:43	2	हस्त
भरणी	1	15:18:54	मेष	व		गुरु			मिथु	27:18:45	3	पुनर्वसु
हस्त	3	17:20:06	कन्या			शुक्र			सिंह	11:03:06	4	मघा
चित्रा	1	23:47:00	कन्या			शनि	व		मीन	04:05:26	1	उ०भाद्रपद
ज्येष्ठा	3	23:43:47	वृश्चिक	व		राहु	व		कुंभ	24:07:18	2	पू०भाद्रपद
मृगशिरा	1	23:43:47	वृष	व		केतु	व		सिंह	24:07:18	4	पू०फाल्गुनी
उ०भाद्रपद	2	08:37:24	मीन	व		मु			मक	16:04:45	2	श्रवण

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

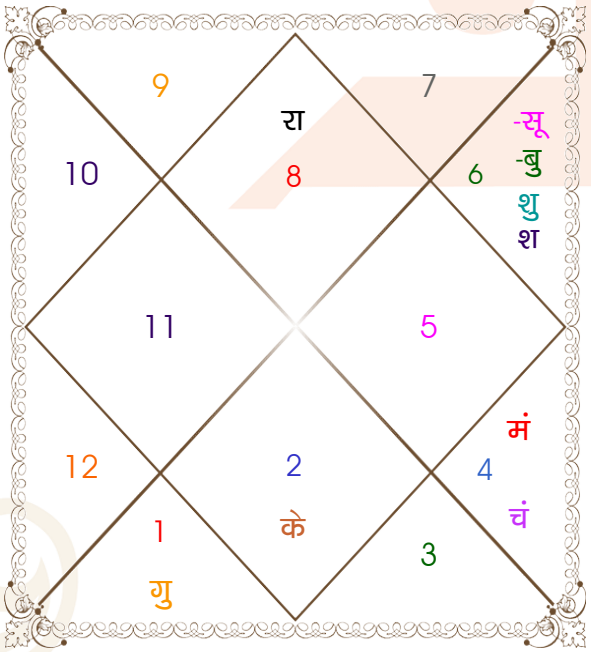

वर्ष लग्न कुंडली

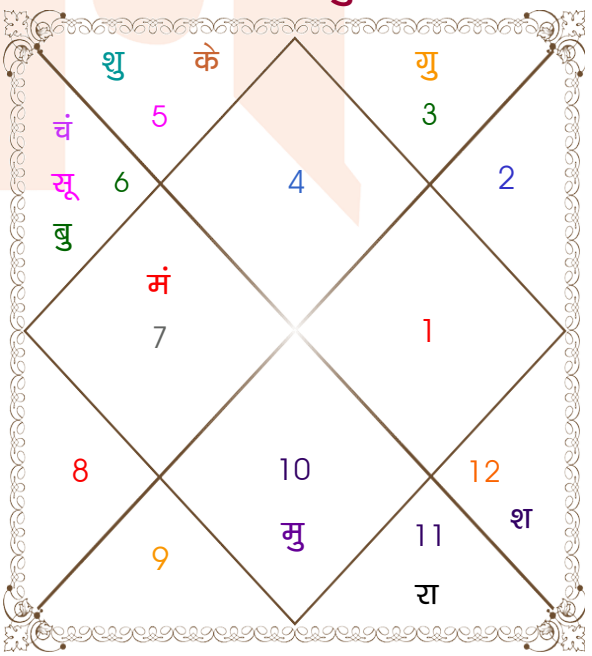

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - गुरु - शनि	
21/08/2025 12:41	
14/10/2025 12:06	
शनि	30/08/2025 01:47
बुध	06/09/2025 17:18
केतु	09/09/2025 20:52
शुक्र	18/09/2025 20:46
सूर्य	21/09/2025 13:33
चंद्र	26/09/2025 01:30
मंगल	29/09/2025 05:04
राहु	07/10/2025 07:22
गुरु	14/10/2025 12:06

केतु - गुरु - बुध	
14/10/2025 12:06	
01/12/2025 19:09	
बुध	21/10/2025 08:18
केतु	24/10/2025 03:55
शुक्र	01/11/2025 05:05
सूर्य	03/11/2025 15:02
चंद्र	07/11/2025 15:38
मंगल	10/11/2025 11:14
राहु	17/11/2025 17:06
गुरु	24/11/2025 03:38
शनि	01/12/2025 19:09

केतु - गुरु - केतु	
01/12/2025 19:09	
21/12/2025 16:25	
केतु	02/12/2025 23:00
शुक्र	06/12/2025 06:32
सूर्य	07/12/2025 06:24
चंद्र	08/12/2025 22:10
मंगल	10/12/2025 02:01
राहु	13/12/2025 01:36
गुरु	15/12/2025 17:14
शनि	18/12/2025 20:48
बुध	21/12/2025 16:25

केतु - गुरु - शुक्र	
21/12/2025 16:25	
16/02/2026 12:01	
शुक्र	31/12/2025 03:41
सूर्य	02/01/2026 23:52
चंद्र	07/01/2026 17:30
मंगल	11/01/2026 01:02
राहु	19/01/2026 13:35
गुरु	27/01/2026 03:24
शनि	05/02/2026 03:18
बुध	13/02/2026 04:28
केतु	16/02/2026 12:01

केतु - गुरु - सूर्य	
16/02/2026 12:01	
05/03/2026 13:06	
सूर्य	17/02/2026 08:28
चंद्र	18/02/2026 18:34
मंगल	19/02/2026 18:25
राहु	22/02/2026 07:47
गुरु	24/02/2026 14:20
शनि	27/02/2026 07:06
बुध	01/03/2026 17:03
केतु	02/03/2026 16:55
शुक्र	05/03/2026 13:06

केतु - गुरु - चंद्र	
05/03/2026 13:06	
02/04/2026 22:54	
चंद्र	07/03/2026 21:55
मंगल	09/03/2026 13:41
राहु	13/03/2026 19:57
गुरु	17/03/2026 14:52
शनि	22/03/2026 02:49
बुध	26/03/2026 03:24
केतु	27/03/2026 19:10
शुक्र	01/04/2026 12:48
सूर्य	02/04/2026 22:54

केतु - गुरु - मंगल	
02/04/2026 22:54	
22/04/2026 20:09	
मंगल	04/04/2026 02:44
राहु	07/04/2026 02:20
गुरु	09/04/2026 17:58
शनि	12/04/2026 21:32
बुध	15/04/2026 17:08
केतु	16/04/2026 20:59
शुक्र	20/04/2026 04:31
सूर्य	21/04/2026 04:23
चंद्र	22/04/2026 20:09

केतु - गुरु - राहु	
22/04/2026 20:09	
12/06/2026 23:24	
राहु	30/04/2026 12:15
गुरु	07/05/2026 07:52
शनि	15/05/2026 10:11
बुध	22/05/2026 16:03
केतु	25/05/2026 15:38
शुक्र	03/06/2026 04:11
सूर्य	05/06/2026 17:32
चंद्र	09/06/2026 23:48
मंगल	12/06/2026 23:24

केतु - शनि - शनि	
12/06/2026 23:24	
16/08/2026 01:42	
शनि	23/06/2026 02:58
बुध	02/07/2026 04:53
केतु	05/07/2026 22:37
शुक्र	16/07/2026 15:01
सूर्य	19/07/2026 19:56
चंद्र	25/07/2026 04:07
मंगल	28/07/2026 21:51
राहु	07/08/2026 12:36
गुरु	16/08/2026 01:42

केतु - शनि - बुध	
16/08/2026 01:42	
12/10/2026 10:05	
बुध	24/08/2026 04:42
केतु	27/08/2026 12:59
शुक्र	06/09/2026 02:23
सूर्य	08/09/2026 23:12
चंद्र	13/09/2026 17:54
मंगल	17/09/2026 02:11
राहु	25/09/2026 16:39
गुरु	03/10/2026 08:10
शनि	12/10/2026 10:05

केतु - शनि - केतु	
12/10/2026 10:05	
05/11/2026 00:50	
केतु	13/10/2026 19:09
शुक्र	17/10/2026 17:37
सूर्य	18/10/2026 21:57
चंद्र	20/10/2026 21:11
मंगल	22/10/2026 06:14
राहु	25/10/2026 19:15
गुरु	28/10/2026 22:49
शनि	01/11/2026 16:33
बुध	05/11/2026 00:50

केतु - शनि - शुक्र	
05/11/2026 00:50	
11/01/2027 12:07	
शुक्र	16/11/2026 06:43
सूर्य	19/11/2026 15:41
चंद्र	25/11/2026 06:37
मंगल	29/11/2026 05:05
राहु	09/12/2026 07:58
गुरु	18/12/2026 07:52
शनि	29/12/2026 00:15
बुध	07/01/2027 13:39
केतु	11/01/2027 12:07

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अनादर की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यो से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी।इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।